मूल्य निर्धारण का अर्थ है — किसी वस्तु या सेवा का दाम तय करना। जब किसी उत्पाद को बाजार में बेचना होता है, तो उसका उचित मूल्य तय करना बहुत ज़रूरी होता है ताकि न तो ग्राहक को नुकसान हो और न ही उत्पादक को।

📌 मूल्य निर्धारण को प्रभावित करने वाले प्रमुख तत्व:

1. मांग और आपूर्ति (Demand and Supply)

जब मांग ज़्यादा होती है और आपूर्ति कम, तो कीमत बढ़ जाती है।

जब मांग कम होती है और आपूर्ति ज़्यादा, तो कीमत घट जाती है।

2. उत्पादन लागत (Cost of Production)

जितनी अधिक लागत होगी, उतना ही अधिक मूल्य तय किया जाएगा ताकि लाभ हो सके।

3. बाज़ार में प्रतियोगिता (Market Competition)

अगर बाजार में बहुत प्रतियोगिता है तो मूल्य कम रखना पड़ता है।

अगर प्रतिस्पर्धा कम है तो मूल्य अधिक रखा जा सकता है।

4. सरकारी नीतियाँ (Government Policies)

सरकार कई बार मूल्य पर नियंत्रण लगाती है (जैसे— ज़रूरी वस्तुओं पर)।

5. लाभ का स्तर (Level of Profit)

व्यवसायी उत्पादन लागत के साथ कुछ लाभ जोड़कर मूल्य तय करते हैं।

6. ग्राहक की क्रय शक्ति (Purchasing Power of Consumers)

यदि ग्राहकों की आय अधिक है तो मूल्य थोड़ा अधिक रखा जा सकता है।

कम आय होने पर मूल्य कम रखना होता है।

📊 मूल्य निर्धारण की प्रक्रिया (Process of Price Determination):

1. उत्पादन लागत का निर्धारण करना

2. बाजार की मांग और आपूर्ति का अध्ययन करना

3. प्रतिस्पर्धा की स्थिति का विश्लेषण करना

4. लाभ का प्रतिशत तय करना

5. अंतिम मूल्य निर्धारित करना और बाजार में लागू करना

👉 संक्षेप में:
मूल्य निर्धारण वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से किसी उत्पाद या सेवा का उचित मूल्य तय किया जाता है ताकि कंपनी को लाभ हो और ग्राहक भी खरीद सकें।